भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं**. 212**
उत्तर देने की तारीख 29.11.**2021**

निपुण भारत योजना

†212. श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी:
श्रीमती संध्या राय:
श्री संगम लाल गुप्ता:
श्री पी. पी. चौधरी:
श्री राजबहादुर सिंह**:**
श्री कृष्णपाल सिंह यादव:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बेहतर समझ और संख्यात्मक ज्ञान के साथ पढ़ाई में प्रवीणता के लिए राष्ट्रीय पहल (निपुण) भारत योजना के लक्ष्यों, उद्देश्यों और अपेक्षित परिणामों का ब्यौरा क्या है;
(ख) निपुण भारत मिशन के कार्यान्वयन का विश्लेषण और मूल्यांकन की पद्धति विकसित करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;
(ग) क्या इस योजना के तहत शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए कोई क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ड.) इस योजना के तहत राज्य-वार लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
शिक्षा मंत्री
(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क): स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने केंद्र प्रायोजित समग्र शिक्षा योजना के तत्वावधान में 5 जुलाई 2021 को बेहतर समझ और संख्यात्मक ज्ञान के साथ पढ़ाई में प्रवीणता हेतु राष्ट्रीय पहल (निपुण भारत) नामक राष्ट्रीय बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान मिशन का शुभारंभ किया है। मिशन का उद्देश्य प्राथमिक कक्षाओं में

सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्राप्त करना है। मिशन के दिशानिर्देश राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए प्राथमिकताएं और कार्रवाई योग्य एजेंडा निर्धारित करते हैं ताकि ग्रेड 3 तक के प्रत्येक बच्चे के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान में दक्षता का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। मिशन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश विकसित किए गए हैं जिसमें 3 से 9 वर्ष की आयु के विकास लक्ष्यों और अधिगम के परिणामों का कोडिफिकेशन एवं बालवाटिका से ग्रेड III तक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान के लिए लक्ष्य शामिल हैं। निपुण भारत मिशन के कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देश निम्नलिखित लिंक के तहत विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं:

https://dsel.education.gov.in/sites/default/files/NIPUN_BHARAT_GUIDELINES_EN.pdf

(ख): निपुण भारत कार्यान्वयन दिशानिर्देशों के अनुसार, बुनियादी शिक्षा के दौरान मूल्यांकन को मुख्य तौर पर दो प्रमुख क्षेत्रों में वर्गीकृत किया जा सकता है, अर्थात्:

1. बहुत से अनुभवों और कार्यकलापों में बच्चों के प्रदर्शन के आधार पर गुणवत्तापरक निरीक्षण के माध्यम से स्कूल आधारित मूल्यांकन (एसबीए)। मूल्यांकन के लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकों जैसे उपाख्यान संबंधी रिकार्डों, चेकलिस्ट, पोर्टफोलियो और वार्तालापों (शिक्षक, सहयोगियों, परिवार और साथियों के साथ समग्र 360-डिग्री मूल्यांकन के माध्यम से) के उपयोग करने की सिफारिश की गई है। इस प्रकार, शिक्षकों को बुनियादी स्तर पर बच्चों की रुचियों और अधिगम का आकलन करने हेतु बच्चे जिस प्रकार खेलते हैं, अपने कार्य को पूरा करते हैं और आपस में मेल-जोल अथवा बातचीत करते हैं, उसके अनुसार उन पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है।
2. शैक्षिक प्रणालियों (जैसे एनएएस, एसएएस, और तृतीय-पक्ष मूल्यांकन) की प्रक्रियाओं और कार्यप्रणाली के मूल्यांकन हेतु बड़े पैमाने पर मानकीकृत मूल्यांकन। बड़े पैमाने पर मूल्यांकन अध्ययन संचालित करने में उपयोग किए जाने वाले प्रायः मूल्यांकन उपकरण बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) होते हैं और प्रक्रिया में वस्तुनिष्ठता लाने के लिए निर्मित प्रतिक्रियाओं को प्रायः अनदेखा किया जाता है। ये मूल्यांकन यह आकलन करने का एक ऐसा कार्यतंत्र है कि उनके राज्य, जिलों और ब्लॉकों में शिक्षा कितनी अच्छी तरह से प्रदान की जा रही है। इस संबंध में,

ग्रेड III में बच्चों के अधिगम के परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2021 पूरा किया गया है।

(ग) से (ङ): सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में प्राथमिक स्तर पर लगभग 25 लाख शिक्षकों को शामिल करके बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान के लिए स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति (निष्ठा 3.0) के लिए एक विशेषीकृत राष्ट्रीय पहल सितंबर, 2021 में शुरू की गई है।

*****